विश्वास संस्थान, रायबरेली उ०प्र०

वार्षिक प्रगति आख्या वर्ष २०२०-२१

प्रस्तावना – विश्वास संस्थान की स्थापना वर्ष 1996–97 में जनपद रायबरेली के ग्राम जनेवा कटरा में की गयी। संस्थान का पंजीकरण वर्ष 1998–99 में की गयी। संस्थान का प्रशासनिक कार्यालय जनपद मुख्यालय रायबरेली में स्थापित है। संस्थान ने अपनी लगन, मेहनत एवं कर्मठता से जनपद एवं अन्य जिलों में ख्याति प्राप्त की। संस्थान अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उत्साही, विकासशील, नैतिक, चारित्रिक युवक एवं युवतियों के सहयोग से प्रयासरत है।

1. **गर्ल आइकन एवं कम्युनिटी इन्टरवेंशन कार्यक्रम** – गर्ल आइकन एवं कम्युनिटी इन्टरवेंशन कार्यक्रम मिलान फाउन्डेशन, दिल्ली के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम विगत चार वर्षो से लगातार आगे बढ़ रहा है। इस कार्यक्रम के अर्न्तगत जनपद रायबरेली के विकास खण्ड सतॉव के ग्राम सुल्तानपुरखेड़ा के कई मजरों में 110 किशोरी बालिकाओं को बैठकों के माध्यम से सशक्त किया जा रहा है। 20 से 25 किशोरी बालिकाओं का समूह बनाकर माह में दो से तीन बैठकें की जाती है जिसमें बालिकाओं को लक्ष्य एवं आकांक्षाए , शिक्षा का महत्व, लिंग भेदभाव, पेशा एवं व्यवसाय, माहवारी, कानून जो हमारी रक्षा करते है, पोषण का महत्व, यौन संचारित संक्रमण आदि विषयों पर बालिकाओं की समझ बनायी जाती है। इसके उपरान्त बालिकाएं अपने आस–पास की समस्या को लेकर सोशल एक्शन कार्यक्रम करती है जिससे पूरे गाँव की बालिकाओं एवं अन्य लोगों मे जागरूकता आती है। इस कार्यक्रम में अभी तक 1000 बालिकाओं को जोड़कर सशक्त किया गया है। क्षेत्र में इस कार्यक्रम से अभिभावक एवं अन्य प्रतिनिधि बहुत प्रभावित है।

2. **<u>बकरी आजीविका एवं संवर्धन परियोजना</u>** – यह परियोजना जानकी देबी बजाज फाउन्डेशन के सहयोग से संचालित की जा रही है। परियोजना के अर्न्तगत बकरी पालकों को बकरी पालन आजीविका से अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए उन्नत नस्ल की बकरी को पालने पर जोर दिया गया। बकरियों की देखरेख हेतु बकरी पालकों को प्रशिक्षण दिया गया। बाजार से उन्नत नस्ल की बकरियां खरीदवाया गया। साथ ही साथ बकरी पालकों को बाजार का क्षेत्रभ्रमण करवाया गया।

3. **<u>काष्ठ शिल्प एवं सजावटी सामान विकास परियोजना</u>** – सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय एम0एस0एम0ई0 के अर्न्तगत भारत सरकार के द्वारा स्फूर्ति परियोजना जनपद रायबरेली में सचालित की जा रही है। परियोजना के अर्न्तगत लकड़ी कारीगरों को लिया गया है जिनकों काष्ठ शिल्प एवं सजावटी सामान विकास हेतु तैयार किया जाना है। परियोजना का उद्देश्य पारंपरिक ढ़ंग से काम कर रहे उद्योगो में लगे कारीगरों को प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ–साथ कारीगरों को बेसिक उपकरणों एवं सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इस परियोजना में जनपद रायबरेली के 11 गॉवों के 659 कारीगरों को चयन किया गया है। लकड़ी कारीगरों को आधुनिक मशीनों के द्वारा कार्य करने हेतु प्रशिक्षण देना है जिससे कारीगर कम समय में आधुनिक एवं आकर्षक सजावटी सामान बनाकर अधिक से अधिक आर्थिक लाभ अर्जित कर सके।

4. **<u>बकरी पालकों की क्षमताबृद्धि हेतु क्षेत्रभ्रमण</u>** – 60 बकरी पालकों को बकरी पालन हेतु क्षमताबृद्धि के लिए नाबार्ड के सहयोग से विश्वास संस्थान के द्वारा बकरी पालन एवं अनुसंधान संस्थान देवासू, मथुरा गए। प्रशिक्षण संस्थान में बकरी पालकों को उन्नत नस्ल जैसे जमुनापारी, बरबरी, सिरोही, ब्लैक बंगाल आदि बकरियों को पालने हेतु प्रशिक्षण दिया गया।

5. **<u>पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम</u>** – समाज में प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण के प्रति जागरूक होना अति आवश्यक है। जनपद रायबरेली के विकास खण्ड अमावाँ के गाँव मरदानपुर एवं परिगवाँ में पर्यावरण जागरूकता हेतु रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से लोगों को जानकारी दी गयी कि शौच के लिए बाहर न जाए घर पर शौचालय का प्रयोग करें। अपने गांव के आस–पास गन्दगी न करें। गांव के अन्दर पशुओं का गोबर एवं कचरा नही डालना चाहिए। इस गन्दगी में पैदा होने वाले कीटाणु हमारे सांस के माध्यम से शरीर में चले जाते है और हमारा शरीर बीमार हो जाता है। रैली में गांव के प्रधान, आंगनबाड़ी एवं आशाबहू का सहयोग लिया गया।

6. **<u>शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम</u>** – बालक एवं बालिकाओं में उच्च शिक्षा होना अति आवश्यक है। शिक्षित माता पिता अपने परिवार को बेहतर तरीके से चलाते है। गांवों में बालिकाओं को पाँचवी या आठवीं तक ही पढाया जाता है जो कि न के बराबर होता है हमें अपनी बालिकाओं को भी उच्च शिक्षा देना चाहिए जिससे वह आगे चलकर अपना परिवार बेहतर तरीके से चला सके। विगत दो वर्षों से कोविड–19 जैसी महामारी के कारण अधिक समय तक विद्यालयों को बन्द करना पड़ा जिससे बच्चों की शिक्षा पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। जनपद रायबरेली के विकास खण्ड सतांव के गाँव कोरिहर एवं सतांव में गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों के अभिभावक, प्रधान एवं अध्यापकों के साथ चर्चा की गयी। बच्चों को उच्च शिक्षा देना चाहिए जिससे उनका भविष्य अच्छा बन सके। बालिकाओं को भी शिक्षा में आगे बढ़ाना चाहिए जिससे वह अपना परिवार शिक्षित बना सके।

7. **<u>महिला एवं बच्चों का अधिकार जागरूकता कार्यक्रम</u>** – हमारे देश की आधी आबादी महिलाओं की है जो कि वर्तमान समय में भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नही है। हमारा समाज पुरूष प्रधान है जिसके कारण महिलाओं को स्वतंत्र होकर कार्य करने में समस्या होती है इसके साथ ही साथ महिलाओं में शिक्षा का बहुत अभाव है कम शिक्षित या अशिक्षित महिलाएं किसी के द्वारा बतायी गयी बातों का शीघ्र ही अनुसरण करने लगती है। सरकार ने कानून में महिलाओं के अधिकार बनाए है किन्तु जागरूकता के अभाव में

महिलाएं प्रताडना और शोषण का शिकार होती रहती है और कानून की मदद नही लेती है। महिलाओं मे जागरूकता लाने के लिए संस्थान ने जनपद रायबरेली के विकास खण्ड सतांव के गाँव सुल्तानपुर खेड़ा एवं देदौर में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी गाँव के विद्यालय में की गयी जिसमें गाँव की महिलाए एवं पुरूष, प्रधान, आँगनबाड़ी, आशाबहू और अध्यापक अध्यापिकाओं को एकत्र किया गया। जिसमें सभी ने अपने–अपने विचारों का आदान प्रदान किया। इसी क्रम में बच्चों के अधिकारो के बारे में बताते हुए कहा गया कि बच्चों को शिक्षा का अधिकार सर्वोपरि है लड़का हो या लड़की उन्हें ज्यादा से ज्यादा शिक्षा दे। कम उम्र के बच्चों को कारखाना, होटल या अन्य दुकानों पर कार्य के लिए न लगाएं। बाल श्रम कानून में जुर्म है जिसमें इसकी सजा अभिभावकों या कार्य स्थल के मालिकों को दी जा सकती है।

8. **<u>सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम</u>** – सड़क सुरक्षा आम नागरिक के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है। अधिकतर देखा गया है कि सड़क पर अधिकतर दुर्घटना यातायात के नियमों का पालन न करने पर होती है। आम जनता में खास तौर से नए युवा वर्ग के लड़के एवं लड़कियों में जागरूकता लाने के लिए स्कूल एवं कालेज के बच्चों को सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में जानकारी दी गयी। यह कार्यक्रम संस्थान ने विकास खण्ड सताँव के चार स्कूलों में किया। ग्राम देदौर, अहमदपुर, कोरिहर, अटौरा बुज़ुर्ग, सुल्तानपुर खेड़ा के जूनियर हाई स्कूल एवं इण्टर कालेज के बच्चों के साथ जानकारियॉ दी गयी एवं पम्पलेट बाटे गए। जिसमें 180 बच्चों ने भाग लिया। सभी बच्चों ने अपने – अपने विचारों को साझा किया। सभी स्कूलों के बच्चों को यातायात के निम्न नियम बताए गए –

1. सड़क पर चलने वाले सभी लोगों को अपने बांये तरफ ही चलना चाहिए खासतौर पर गाड़ी चलाने वाले को भी और दूसरी तरफ से आ रहे वाहन को जाने देना चाहिए।
2. साइकिल से जाने वाले बच्चों को साइकिल चलाते समय दोस्तों से बात नही करनी चाहिए पूरा ध्यान सड़क पर आने जाने वाले साधनों पर होना चाहिए।
3. साइकिल या दोपहिया वाहन की गति बहुत तेज नही होनी चाहिए जब वह भीड़ वाले स्थान पर हो।
4. सभी वाहनों को दूसरे वाहनों से निश्चित दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

5. रेलवे क्रासिंग पर गेट बन्द होने पर नही निकलना चाहिए।
6. कोई भी वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात नही करनी चाहिए।

यदि हम सभी सड़क यातायात के नियमों का ध्यान रखे तो बहुत दुर्घटनाएं कम हो सकती है। अपनी एवं दूसरों की जिंदगी को सुरक्षित रखना हमारा पहला कर्तव्य है।

9. **<u>योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा जागरूकता कार्यक्रम</u>** – योगा और प्राकृतिक चिकित्सा आज की भागदौड़ की जिन्दगी मे कम होता जा रहा है। जिसकी जगह पर एलोपैथ दवाओं पर लोगों का विश्वास जमता जा रहा है। जबकि यह दवाएं लोगों को नुकसान पहुंचाती है। साथ ही और भी कई रोग पैदा कर देती है। लोगों में योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा की जागरूकता लाने के लिए जनपद रायबरेली कें विकास खण्ड अमावां के गाँव हरदासपुर एवं परिगवाँ में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के दौरान डा0 भगवानदीन, ग्राम प्रधान श्री मो0 जुबेर, प्रधानाध्यापिका श्रीमती दीप्ति सिंह, कु0 अरूणिमा वर्मा आँगनबाड़ी ऊषा सैनी, सहायिका शिवदेबी एवं गाँव के महिला, पुरूष एवं युवक उपस्थिति रहे। डा0 भगवानदीन ने बताया कि योगा हमारे शरीर को मजबूत, लचीला, त्वचा में चमक, शान्तिपूर्ण मन एवं अच्छा स्वास्थ्य देता है। हम लोग यह नही जानते है कि योग शारीरिक, मानसिक रूप से तथा श्वसन में लाभ देता है। योग हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। प्राकृतिक चिकित्सा की जागरूकता से हम अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते है। प्राकृतिक चिकित्सा के अन्तर्गत एक्यूप्रेशर एवं हमारी दैनिक उपभोग की वस्तुओं से ही रोग को ठीक किया जा सकता है। इस प्रकार के उपचार से हमारे शरीर को कोई भी नुकसान नहीं पहुंचता है और शरीर के साथ ही साथ मन भी स्वस्थ होता है जिससे हम अपने मे एक उर्जा महसूस करते है।

10. **<u>कृषि एवं औषधीय पौधों की जागरूकता कार्यक्रम</u>** – भारत कृषि प्रधान देश है। यहाँ अधिकतर लोग गाँवों में निवास करते है। किसानों की मुख्य आजीविका खेती है। किसान प्रत्येक मौसम के अनुसार फसल प्राप्त करता है। लगातार खेती करने से किसान परम्परागत खेती करते रहते है। जिससे फसल धीरे–धीरे कम हो जाती है। किसानों को लाभ नहीं प्राप्त हो पाता है। किसानों को आधुनिक खेती की जानकारी हेतु संस्थान ने जनपद रायबरेली के विकास खण्ड सताँव के ग्राम सुल्तानपुरखेड़ा एवं अहमदपुर किलौली में कृषि वैज्ञानिक गोष्ठी की गयी। गोष्ठी में कृषि से सम्बन्धित जानकारी देने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र के डा0 कनौजिया जी को बुलाया गया। डा0 कनौजिया ने किसानों को फसल में झुलसा रोग एवं उपचार के बारे में बताया साथ ही किसानों की समस्याओं को सुनकर उसका उपचार कैसे करना चाहिए बताया। डा0 कनौजिया ने मिट्टी की जाँच करवाने के लिए जोर दिया सभी किसानों को अपने खेत की मिट्टी प्रतिवर्ष जाँच करवानी चाहिए जिससे उन्हे अपने खेत की स्थिति की जानकारी

होती है। यह जाँच कृषि विभाग मे की जाती है। डा0 कनौजिया ने बताया कि जो किसान खेती से ज्यादा लाभ प्राप्त करना चाहते है वह औषधीय पौधों तुलसी, सुगन्धा आदि की खेती करे जिससे उसे बेचकर वह ज्यादा लाभ कमा सकते है। डा0 कनौजिया ने बताया कि औषधीय खेती करने के लिए ज्यादा जानकारी सीमैप, लखनऊ से प्राप्त होगी। सीमैप के अधिकारी का मोबाइल नंम्बर सभी किसानों को नोट करवाया गया। इसके उपरान्त रान्त सुल्तानपुरखेड़ा के ग्राम प्रधान ने अपने विकास कार्यों के चर्चा करते हुए सभी को धन्यवाद दिया।

11. **संस्कृति विकास जागरूकता कार्यक्रम** – संस्कृति एवं साहित्य हमारे देश की धरोहर होती है। देश की धरोहर को सजोकर रखना हर पीढ़ी का कर्तव्य होता है। संस्थान ने क्षेत्र में कार्य करने के दौरान पाया कि पुरूषों एवं महिलाओं में कई प्रकार के गुण विद्यमान है। कुछ महिलाएं अच्छा गीत गाती है तो कुछ पुरूष त्यौहारों एवं ऐतिहासिक तथ्यों को लेकर गीत लिखते है और पूरे जोश के साथ गाते है साथ ही सभी लोगों का मनोरंजन होता है। कुछ लोग अच्छा अभिनय कर लेते है किन्तु इन कलाकारों को किसी भी प्रकार का सहयोग नही मिलता है। इसलिए संस्थान ने क्षेत्र के कलाकारों की टीम बनाकर इन लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार पर कार्यक्रम करने के लिए प्रेरित किया गया। जिससे क्षेत्र में कलाकारों की ख्याति बढ़ी कलाकारों को समय –समय पर प्रोत्साहित किया गया। कलाकारों को सम्मान प्राप्त होने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा। कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए जनपद रायबरेली के ग्राम किलौली में प्रधान शशिबाला मिश्रा के सहयोग से एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में सभी कलाकारों ने अपनी अपनी कला से सभी का मन मोह लिया।

12. **स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम** – प्रत्येक नागरिक को अपने आसपास के माहौल को स्वच्छ और साफ रखना उसका कर्तव्य होता है किन्तु जागरूकता के अभाव में बहुत लोग इस विषय में विचार नहीं करते है। स्वच्छता को सरकारी काम समझ कर वही पर कूड़े का ढ़ेर लगा देते है। जिसका परिणाम गंदगी से होने वाली बीमारियां होना शुरू हो जाती है। गाँवों में रहने वाले लोग घरों में शौचालय का प्रयोग न करके खुले में शौच के लिए जाते है। इसके अलावा गाय भैसों का गोबर एवं दैनिक कूड़ा गॉव में डालते है जिससे गॉव का वातावरण प्रदूषित हो जाता है। इस कारण अधिकतर लोग अपनी आमदनी का अधिक हिस्सा बीमारी में खर्च करते है। स्वास्थ को नुकसान होने से उनका विकास नहीं हो पाता है। संस्थान स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के लिए समय–समय पर बैंठके करके चर्चा करती रहती है। जनपद रायबरेली के विकास खण्ड राही के ग्राम कुचरिया में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में गाँव के प्रधान एवं गाँव के सभी सम्मानित

नागरिक महिलाएं एवं पुरूषों को एकत्रित करके गोष्ठी की गयी। गोष्ठी के दौरान संस्थान के प्रतिनिधि विकास कुमार ने बताया कि प्रत्येक घरों में शौचालय का होना अति आवश्यक है। शौचालय घर पर होने से हमारी माँ बहनें, बहू और बेटियां सामाजिक दुर्घटना की शिकार नही होती है बल्कि उन्हें सुरक्षा प्राप्त होती है। साथ ही महिला एवं पुरूष सभी को शौचालय प्रयोग करने से बीमारियां नही होती है। जिस प्रकार रहने के लिए कमरे की व्यवस्था आवश्यक है उसी प्रकार घरों मे शौचालय अति आवश्यक है। इसके उपरान्त सम्मानित गणमान्य श्री प्रकाश जी ने घरों के आस पास कूडा नही फेकना चाहिए इस बात पर जागरूक किया। प्रधान जी ने सभी लोगों को व्यक्तिगत साफ सफाई के बारे में समझाया। सभी के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

13. **गरीब एवं जरूरतमंदों की सहायता कार्यक्रम** – यह कार्यक्रम समदासिनी फाउन्डेशन हांगकांग के सहयोग से जरूरतमंदो की सहायता के लिए किया जाता है। समदासिनी फाउन्डेशन प्रत्येक वर्ष छोटी सी धनराशि जरूरतमंदो की सहायता के लिए भेजती है। जिससे क्षेत्र में चिन्हित जरूरतमंदों की सहायता में लगाया जाता है। इस वर्ष ग्राम देवानन्दपुर मे स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। जिससे बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ। स्वास्थ्य शिविर में दो दिन की दवा मुफ्त दी गयी साथ ही गंभीर रूप से बीमार लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजकर इलाज करवाया गया। दो दिन उपरान्त बीमार लोगों का फालोअप किया गया। जिसमें उन्हें पुनः दवाईयां दी गयी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

आगामी वर्ष हेतु प्रस्तावित प्रमुख कार्यक्रम– संचालित कार्यक्रमों के साथ–साथ संस्थान आगामी वित्तीय वर्ष में अन्य विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु प्रयासरत है–

- बकरी पालन अजीविका संवर्धन परियोजना।
- काष्ठ शिल्प एवं सजावटी सामान विकास परियोजना।
- कृषि एवं औषधीय पौधों की खेती कार्यक्रम।
- समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम।
- सडक सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम।
- मसाले और केले के किसानों हेतु जागरूकता कार्यक्रम।
- मोबाइल एवं घरेलू उपकरण मरम्मत प्रशिक्षण।
- खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण एवं विपणन।

संस्थान विगत 25 वर्षों से अपने लक्ष्य एवं उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निरन्तर प्रयासरत है। हम आपके वांछित सहयोग एवं मार्गदर्शन की अपेक्षा रखतें है।